HERITAGE WALK ORGANIZED ON WORLD HERITAGE DAY-2023

ORGANIZED BY: HERITAGE SOCIETY, PATNA IN JOINT COLLABORATION WITH DEPARTMENT OF AI & AS, SRI GURU GOBIND SINGH COLLEGE, PATNA CITY

DATE & TIME OF PROGRAM: 18 APRIL 2023, 6-8 A.M.

HERITAGE WALK STARTING POINT/PLACE: Rani Ghat near NIT Campus, Patna

HERITAGE WALK END POINT/PLACE: Collectorate Ghat, Patna

DISTANCE OF HERITAGE WALK: 3 KM

FEW PICTURES & MEDIA REPORTS ON THE OCCASION

https://newscrime24.com/heritage-walk-organized-on-world-heritage-day/

बिहार

विश्व विरासत दिवस पर हेरिटेज वाक का आयोजन

By न्यूज क्राइम 24 संवाददाता — 18/04/2023 — Updated: 18/04/2023 — No Comments — 3 Mins Read

Facebook Twitter WhatsApp

पटनासिटी(न्यूज क्राइम 24): विश्व विरासत दिवस के पावन अवसर पर हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार तथा श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया। आज प्रातः 6:00 बजे श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के प्रगतिशील प्राचार्य प्रो० (डॉ०) कनक भूषण मिश्र के नेतृत्व में हेरिटेज वाक का आयोजन गंगा नदी के किनारे सुबह 6:00 बजे से बांकीपुर क्लब में पहुंचा। हेरिटेज वाक के सभी सदस्यों को हेरिटेज सोसाइटी के द्वारा टी-शर्ट तथा टोपी प्रदान किया गया।

रास्ते में विभिन्न पुराने मूर्तियों को देखा गया तथा उसके बारे में हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ अनन्ताशुतोश द्विवेदी के द्वारा व्याख्या किया गया। विश्व विरासत दिवस का आयोजन श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय पटना सिटी एवं हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार के द्वारा 14 दिनों तक विभिन्न साधनोंसेबीयो के द्वारा शाम 7:00 बजे आभासी माध्यम के द्वारा प्राचीन भारतीय विरासत पर गंभीर चर्चा हुई। जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो० (डॉ०) कनक भूषण मिश्र ने किया । इस दो सप्ताह के आयोजित कार्यशाला में प्राचीन भारतीय एशियाई अध्ययन के विभिन्न विद्वानों ने भाग लिया।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन के प्रमुख डॉ विनीता मिश्रा, डॉ संजय कुमार मंजुल, संयुक्त निदेशक आर्कोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रमुख विद्वान तथा पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन के अध्यापकों ने भाग लिया। आज के विश्व विरासत दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि बिहार का बोध गया तथा नालंदा को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने का गौरव प्राप्त है।

आज के दिवस की महानता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक थातियों अपने दामन बिहार में समेटे बिहार के पास विश्व धरोहर सूची में शामिल होने की दक्षता रखनेवाले आधा दर्जन से अधिक बेशकीमती विरासत स्थल है। इनकी खूबियों, खासियतों, ऐतिहासिकता तथा इनका महत्व काफी ज्यादा है। डॉ अंबुज किशोर झा, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय, पटना सिटी ने उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के पुरातात्विक स्थलों में सबसे प्रमुख नाम वैशाली का है।

उन्होंने अपने भाषण में जहानाबाद के बाणावर की नागार्जुन गुफा का नाम लिया। इस हेरिटेज वाक में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ उमेश कुमार, आइ.क्यू.ए.सी के समन्वयक डॉ विकास कुमार, डॉ अनन्ताशुतोष द्विवेदी बिहार हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ सत्यजीत कुमार, कैलाश चंद्र झा, डॉ सुजीत नयन, मिथिलेश मिश्र, चंदन दिवेदी, आशीष वहल, नीरज कुमार, नीरज सिंह तथा डॉ राकेश नाथ चौबे ने

प्रदेश और जिलों की खबरें

विश्व विरासत दिवस पर हेरिटेज वाक का आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। विश्व विरासत दिवस के पावन अवसर पर हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार तथा श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया। आज प्रातः 6:00 बजे श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के प्रगतिशील प्राचार्य प्रो० (डॉ०)कनक भूषण मिश्र के नेतृत्व में हेरिटेज वाक का आयोजन गंगा नदी के किनारे सुबह 6:00 बजे से बांकीपुर क्लब में पहुंचा। हेरिटेज वाक के सभी सदस्यों को हेरिटेज सोसाइटी के द्वारा टी-शर्ट तथा टोपी प्रदान किया गया। रास्ते में विभिन्न पुराने मूर्तियों को देखा गया तथा उसके बारे में हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ अनन्ताशुतोश द्विवेदी के द्वारा व्याख्या किया गया। विश्व विरासत दिवस का आयोजन श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय पटना सिटी एवं हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार के द्वारा 14 दिनों तक विभिन्न साधनोंसेबीयो के द्वारा शाम 7:00 बजे आभासी माध्यम के द्वारा प्राचीन भारतीय विरासत पर गंभीर चर्चा हुई। जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो० (डॉ०) कनक भूषण मिश्र ने किया । इस दो सप्ताह के आयोजित कार्यशाला में प्राचीन भारतीय एशियाई अध्ययन के विभिन्न विद्वानों ने भाग लिया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन के प्रमुख डॉ विनीता मिश्रा, डॉ संजय कुमार मंजुल, संयुक्त निदेशक आर्कोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रमुख विद्वान तथा पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन के अध्यापकों ने भाग लिया। आज के विश्व विरासत दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि बिहार का बोध गया तथा नालंदा को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने का गौरव प्राप्त है । आज के दिवस की महानता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक थातियों अपने दामन बिहार में समेटे बिहार के पास विश्व धरोहर सूची में शामिल होने की दक्षता रखनेवाले आधा दर्जन से अधिक बेशकीमती विरासत स्थल है। इनकी खूबियों, खासियतों, ऐतिहासिकता तथा इनका महत्व काफी ज्यादा है। डॉ अंबुज किशोर झा, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय,पटना सिटी ने उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के पुरातात्विक स्थलों में सबसे प्रमुख नाम वैशाली का है। उन्होंने अपने भाषण में जहानाबाद के बाणावर की नागार्जुन गुफा का नाम लिया। इस हेरिटेज वाक में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ उमेश कुमार, आइ.क्यू.ए.सी के समन्वयक डॉ विकास कुमार, डॉ अनन्ताशुतोष द्विवेदी बिहार हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ सत्यजीत कुमार, कैलाश चंद्र झा, डॉ सुजीत नयन, मिथिलेश मिश्र, चंदन दिवेदी, आशीष वहल, नीरज कुमार, नीरज सिंह तथा डॉ राकेश नाथ चौबे ने प्रमुख रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन विश्व विरासत दिवस पर हेरिटेज वाक के आयोजन से किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों के बीच अल्पाहार तथा पेय पदार्थ का वितरण किया गया।

राकेश पासवान के एक परिजन को सरकारी नौकरी तथा उनके विधवा को दी जाएगी जन वितरण दुकान: श्री माझी

विश्व विरासत दिवस पर किया हेरिटेज वॉक

पटना सिटी, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि। विश्व विरासत दिवस पर हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार तथा श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया।

मंगलवार की सुबह कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. कनक भूषण मिश्र के नेतृत्व में गंगा नदी के किनारे हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया। रास्ते में लोगों ने पुराने मूर्तियों को देखा तथा उसके बारे में हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ. अनन्ताशुतोश द्विवेदी से जानकारी ली। इधर कॉलेज में प्राचीन भारतीय विरासत पर चर्चा हुई। उद्घाटन प्रभारी प्राचार्य ने किया। परिचर्चा में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन के प्रमुख डॉ. विनीता मिश्रा, डॉ. संजय कुमार मंजुल, संयुक्त निदेशक आर्कोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रमुख विद्वान तथा पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन के अध्यापकों ने भाग लिया। हेरिटेज वाक में डॉ. उमेश कुमार, आइक्यूएसी के समन्वयक डॉ. विकास कुमार, डॉ. अनन्ताशुतोष द्विवेदी, बिहार हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ. सत्यजीत कुमार, कैलाश चंद्र झा, डॉ. सुजीत नयन, मिथिलेश मिश्र, चंदन द्विवेदी, आशीष वहल, नीरज कुमार, नीरज सिंह शामिल थे।

विश्व विरासत दिवस पर हेरिटेज वाक का आयोजन

संवाददाता | एजुकेशनल न्यूज

दिनांक 18.04. 2023 दिन मंगलवार को विश्व विरासत दिवस के पावन अवसर पर हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार तथा श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया। आज प्रातः 6:00 बजे श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के प्रगतिशील प्राचार्य प्रो० (डॉ०)कनक भूषण मिश्र के नेतृत्व में हेरिटेज वाक का आयोजन गंगा नदी के किनारे सुबह 6:00 बजे से बांकीपुर क्लब में पहुंचा। हेरिटेज वाक के सभी सदस्यों को हेरिटेज सोसाइटी के द्वारा टी-शर्ट तथा टोपी प्रदान किया गया। रास्ते में विभिन्न पुराने मूर्तियों को देखा गया तथा उसके बारे में हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ अनन्ताशुतोश द्विवेदी के द्वारा व्याख्या किया गया।

विश्व विरासत दिवस का आयोजन श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय पटना सिटी एवं हेरिटेज सोसाइटी ऑफ बिहार के द्वारा 14 दिनों तक विभिन्न साधनोंसेबीयो के द्वारा शाम 7:00 बजे आभासी माध्यम के द्वारा प्राचीन भारतीय विरासत पर गंभीर चर्चा हुई। जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो० (डॉ०) कनक भूषण मिश्र ने किया। इस दो सप्ताह के आयोजित कार्यशाला में प्राचीन भारतीय एशियाई अध्ययन के विभिन्न विद्वानों ने भाग लिया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई

अध्ययन के प्रमुख डॉ विनीता मिश्रा, डॉ संजय कुमार मंजुल, संयुक्त निदेशक आर्कोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रमुख विद्वान तथा पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन के अध्यापकों ने भाग लिया।

विश्व विरासत दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि बिहार का बोध गया तथा नालंदा को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने का गौरव प्राप्त है । आज के दिवस की महानता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक थातियों अपने दामन बिहार में समेटे बिहार के पास विश्व धरोहर सूची में शामिल होने की दक्षता रखनेवाले आधा दर्जन से अधिक बेशकीमती विरासत स्थल है। इनकी खूबियों, खासियतों, ऐतिहासिकता तथा इनका महत्व काफी ज्यादा है।

डॉ अंबुज किशोर झा, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन श्री गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय,पटना सिटी ने उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के पुरातात्विक स्थलों में सबसे प्रमुख नाम वैशाली का है। उन्होंने अपने भाषण में जहानाबाद के बाणावर की नागार्जुन गुफा का नाम लिया। इस हेरिटेज वाक में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ उमेश कुमार, आइ.क्यू.ए.सी के समन्वयक डॉ विकास कुमार, डॉ अनन्ताशुतोष द्विवेदी बिहार हेरिटेज सोसाइटी के प्रमुख डॉ सत्यजीत कुमार, कैलाश चंद्र झा, डॉ सुजीत नयन, मिथिलेश मिश्र, चंदन दिवेदी, आशीष वहल, नीरज कुमार, नीरज सिंह तथा डॉ राकेश नाथ चौबे ने प्रमुख रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन विश्व विरासत दिवस पर हेरिटेज वाक के आयोजन से किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों के बीच अल्पाहार तथा पेय पदार्थ का वितरण किया गया।

HERITAGE SOCIETY
ASI Excavation Branch-III Patna
G20
अतुल्य!भारत
Incredible!ndia
Bihar Tourism Walk
on the occasion of
World Heritage Day-2023
18 April, 2023 || 6 am-8 am || Patna River Front
Supported by:-
RUBAN
Gargee
SANANT
www.heritagesociety.in
bharatheritagewalk@gmail.com
+91 7761902685
HeritageSociety

Bihar Tourism Walk
World Heritage Day-2023
अतुल्य!भारत
Incredible!ndia

Bihar Tourism Walk
REDMI NOTE 9 PRO
AI QUAD CAMERA

Bihar
Walk
Supported by:-
SANANT
www.heritagesociety.in
HeritageSociety

HERITAGE SOCIETY
ASI Excavation Branch-III Patna
G20
अतुल्य!भारत
Incredible India
Bihar Tourism Walk
on the occasion of
World Heritage Day-2023
18 April, 2023 || 6 am-8 am || Patna River Front
Supported by:-
RUBAN
Gargee
SANANT
+91 7761902685
HeritageSociety
bharatheritagewalk@gmail.com
www.heritagesociety.in